CBSE Test Paper 02

Ch-9 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

1. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

   बादल, गरजो !
   विकल विकल, उन्मन थे उन्मन
   विश्व के निदाघ के सकल जन,
   आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन!
   तप्त धरा, जल से फिर
   शीतल का दो-
   बादल, गरजो!

   i. विश्व के सभी लोग विकल और उन्मन क्यों थे?
   ii. कवि ने यह क्यों कहा कि आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन'?
   iii. कवि ने बादलों का आह्वान किसलिए किया है ?

2. फागुन में ऐसी क्या बात थी कि कवि की आँख हट नहीं रही है?

3. “उत्साह' कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है ?

4. कवि निराला के अनुसार बादल में क्या संभावनाएँ छिपी हैं?

5. 'उत्साह' कविता में 'नवजीवन वाले' किसके लिए प्रयुक्त किया गया है और क्यों?

6. कवि निराला की आँख फागुन की सुन्दरता से क्यों नहीं हट रही है?

CBSE Test Paper 02
Ch-9 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

Answer

1. i. विश्व मे प्रचंड गर्मी पड़ रही थी। निरंतर बढ़ती हुई गर्मी से लोगों में बेचैनी और व्याकुलता बढ़ती ही जा रही थी | बादलों के न बरसने से सारी धरती जलती हुई-सी प्रतीत हो रही थी इसलिए विश्व के सभी लोग व्याकुल और उन्मन थे |
   ii. कवि ने यह इसलिए कहा क्योंकि बादल अंतहीन हैं | उनका कोई छोर नहीं है | वे अनंत आकाश में छाए हुए हैं | भीषण गर्मी से तप्त धरती को राहत और शांति प्रदान करने के लिए वे अज्ञात दिशा से आकर आकाश में छा गए थे |
   iii. कवि का बादलों का आह्वान करने के पीछे यह कारण रहा होगा कि वे धरती के लोगों को भीषण गर्मी से बचाकर उन्हें राहत प्रदान करना चाहते थे।

2. फाल्गुन का मौसम तथा दृश्य अत्यंत मनोमोहक होता है। चारो तरफ का दृश्य अत्यंत स्वच्छ तथा हरा भरा दिखाई दे रहा है। पेड़ों पर कही हरी तो कही लाल पत्तिया हैं, फूलों की मंद-मंद खुसबू ह्रदय को मुग्ध कर लेती है। इसलिए कवी की आँख फाल्गुन की सुंदरता से हट नहीं रही है।

3. बादल प्यासे लोगों को तृप्त करने, नई कल्पना व नई चेतना को जगाने, ललित कल्पनाओं और क्रान्ति को लाने वाले, निडरता, बिजली जैसी ओजस्विता और शीतलता की ओर संकेत करने वाले तथा नवजीवन और नूतन कविता के अर्थों की ओर संकेत करता है। वह मानव को उत्साह और संघर्ष की ओर प्रेरित करता है और उन्हें परिवर्तन की ओर अग्रसर करता है |

4. कवि निराला के अनुसार बादलों में वज्र की असीम शक्ति छिपी हुई होती है | इसी प्रकार की असीम शक्ति मनुष्य में भी छिपी हुई होती है | बादल गरजकर मानव में नवीन चेतना भर देते हैं जिससे मानव मन परिवर्तन के लिए उत्तेजित हो जाता है |

5. 'तसाह' कविता में 'नवजीवन वाले' बादलों के लिए प्रयुक्त किया गया है क्योंकि बादल गर्मी से संतप्त धरती के ताप को शान्त कर नवजीवन व चेतना प्रदान करते हैं और प्रकृति का वातावरण प्रफुल्लित कर पशु-पक्षी तथा मानव में उत्साह और जोश का संचार करते हैं। कवि भी बादलों की गर्जना से उत्साहित हो जाता है और उसके जीवन में भी नई आशा का संचार होता है | वह समाज में क्रान्ति का सूत्रपात करने में सक्षम है। अतः बादलों को नवजीवन वाले कहना सार्थक है।

6. फागुन मास में प्रकृति का सौन्दर्य अपने चरम पर होता है | ऐसा कोई सहृदय नहीं जो इससे अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता | फागुन में वसंत की मादकता है, प्रफुल्लता है | कवि प्रकृति प्रेमी है | उसे प्रकृति के कण-कण में सुन्दरता नज़र आती है | उसका ह्रदय कोमल है इसलिए वह फागुन की सुन्दरता से आँख नहीं हटा पा रहा |